



BABA MASTNATH UNIVERSITY

ASTHAL BOHAR, ROHTAK, NH -10
NCR, Haryana-124021, India

(Established under Haryana Private Universities Act, 2006 and
Recognised by the UGC vide Letter No: F.8-14/2012(CPP-1/PU) dated 05 Jan 2016)

THE BEACONS OF SOCIETY

Founder Who Lit the Lamp of Education & Health



**Mahant
Shreyo Nath Ji Yogi**

Continuously Blessing



**Siddh Shiromani
Baba Mast Nath Ji**

Leading Light Who Nurtured Growth



**Mahant
Chand Nath Ji Yogi
Founder Chancellor**

Spiritual Guru and The Motivator



**Mahant
Balaknath Ji Yogi
Chancellor**

*Revolutionising life through
Health, Education and Values*

*A Unique Blend of
Academics & Spirituality*

INFORMATION BROCHURE

2020-2021

www.bmu.ac.in

Centre of Spirituality, Hath Yoga, Health and Education



The Campus : For All Round Development



ब्रह्मलीन महंत चाँदनाथ जी योगी

Brahmalin Mahant Chand Nath Ji Yogi

Founder Chancellor, BMU



ब्रह्मलीन महंत चाँदनाथ जी योगी का जीवन-मंत्र : 'विधेयं जन सेवनम्'

'सद्गुरु की महिमा अनंत, अनंत किया उपकार।

लोचन अनंत उघाड़िया, अनंत दिखावणहार।'

वास्तव में, योगी चाँदनाथ जी सच्चे संत और अच्छे सद्गुरु थे। वे ज्ञान के पुंज थे। इतना ही नहीं, वे अलौकिक संत, महान कर्मयोगी, महान तपस्वी और समाजसेवी थे। योगी चाँदनाथ का जन्म वर्ष 21 जून, 1956 ई० को दिल्ली के बेगमपुर गाँव के साधारण किसान परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम श्री मोहर सिंह व माता का नाम श्रीमती चम्पा देवी था। वे सात भाई-बहनों में सबसे बड़े थे तथा बचपन से ही कुशाग्रबुद्धि और आध्यात्मिक विचारों के थे। घर-गृहस्थी से अलग होकर वे साधना कर्म में संलग्न रहते थे।

योगी चाँदनाथ जी ने वर्ष 1977 ई० में दिल्ली विश्वविद्यालय से बी. ए. ऑनर्स की उपाधि प्राप्त की तथा वर्ष 1978 ई० में वे शिक्षा, धर्म व अध्यात्म के केन्द्र अस्थल बोहर मठ के महंत श्री श्रेयोनाथ जी को अपना गुरु बनाकर शिष्य परम्परा का निर्वहण किया। महंत श्री श्रेयोनाथ जी उन दिनों किसी योग्य उत्तराधिकारी की तलाश में थे। उनकी यह तलाश योगी चाँदनाथ को शिष्य रूप में पाकर पूर्ण हो गई और महंत श्री श्रेयोनाथ को इनमें अस्थल बोहर मठ का भविष्य नजर आने लगा। फलतः शिष्य की प्रशासनिक कार्य क्षमता परखने के लिए हनुमानगढ़ मठ के कोठारी का उत्तरदायित्व उन्हें सौंपा। उन्होंने अपनी कर्मठता, लगन, उन्नत कार्यशैली से बिजली, पानी, आधुनिक कृषियन्त्रों से कृषिकार्य को सुदृढ़ करके कर्मयोगी होने का परिचय दिया। हनुमानगढ़ में जनता की स्वास्थ्य सम्बन्धी परेशानियों को देखते हुए नेत्र चिकित्सालय, सामान्य चिकित्सालय, एक शिवमन्दिर का निर्माण करवाकर जनसेवक एवं धर्मसेवक होने का परिचय दिया। योगी चाँदनाथ की कार्यक्षमता, कार्यशैली दोनों ही महंत श्री श्रेयोनाथ जी को अच्छी लगी और उन्होंने मन में विचार किया कि मठ की समृद्धि के लिए जीवित रहते किसी योग्य उत्तराधिकारी का चयन आवश्यक है। वर्ष 1984 ई० में महंत श्री श्रेयोनाथ ने योगी चाँदनाथ को अस्थल बोहर मठ का उत्तराधिकारी घोषित किया। वर्ष 1985 ई० में महंत श्री श्रेयोनाथ के समाधिस्थान होने पर महंत के रूप में योगी महंत चाँदनाथ ने मठ के विकास कार्यों को गति प्रदान की। महंत योगी चाँदनाथ जी ने 'विधेयं जन सेवनम्' के मार्ग का अनुसरण करते हुए धर्म, शिक्षा, चिकित्सा को अपना कर्म क्षेत्र बनाया। वर्ष 1986 ई० में उन्होंने एक विद्यालय से इसकी शुरुआत की तथा वर्ष 2012 ई० में अपने संस्थान को विश्वविद्यालय का दर्जा दिलवाया जो अब विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त है। महंत योगी चाँदनाथ जी के कर्मक्षेत्र को निम्नलिखित रूप से रेखांकित किया जा सकता है-

वर्ष 1986 ई० में अपने गुरुजी महंत श्री श्रेयोनाथ जी की समाधिस्थल का निर्माण, वर्ष 1987 ई० में सिविल रोड, रोहतक में पब्लिक स्कूल की स्थापना, वर्ष 1988 ई० में अस्थल बोहर, मठ में अवासीय पब्लिक स्कूल की स्थापना, वर्ष 1989 ई० बाबा मस्तनाथ सभागार का निर्माण, वर्ष 1990 ई० में शिव मन्दिर की स्थापना, वर्ष 1991 ई० में प्राचीन शिवमन्दिर का जीर्णोद्धार किया, वर्ष 1992 ई० में शेहड़ी डेरे के मन्दिर का निर्माण, वर्ष 1993 ई० चक 7 एल. एल. का निर्माण, वर्ष 1994 ई० में श्री बद्रीनाथ धर्मशाला का निर्माण, वर्ष 1995 ई० में एम.बी.ए. कॉलेज की स्थापना, वर्ष 1996 ई० में फार्मैसी एवं डी.एड. कॉलेज की स्थापना, वर्ष 1997 ई० में डेंटल एवं इंजिनियरिंग कॉलेज की स्थापना, वर्ष 1998 ई० में फिजियोथेरेपी एवं मॉडर्न साइंसेज कॉलेज की स्थापना, वर्ष 1999 ई० में संस्कृत महाविद्यालय की स्थापना, वर्ष 2000 ई० में नर्सिंग कॉलेज की स्थापना, वर्ष 2001 ई० में कन्या छात्रावास का निर्माण। इसी वर्ष महंत योगी चाँदनाथ जी योगी को उनके विशेष कार्यों के लिए इन्दिरा गाँधी अवार्ड से सम्मानित किया गया। वर्ष 2002 ई० में श्री रणपतमानधाता जी की समाधि स्थल का निर्माण, वर्ष 2003 ई० में रैबारी धर्मशाला का निर्माण। वर्ष 2004 ई० में महंत योगी चाँदनाथ जी महाराज को राजस्थान सरकार द्वारा शिक्षा रत्न से सम्मानित किया गया तथा इसी वर्ष महंत चाँदनाथ योगी बहरोड़ विधानसभा क्षेत्र से विधायक बने और अपने कार्यकाल से वहाँ की व्यवस्थाओं को दुरुस्त कर कायाकल्प किया। वर्ष 2005 ई० में चिकित्सा भवन तथा छात्रावास -2 का निर्माण, वर्ष 2006 ई० में बाबा मस्तनाथ जी महाराज की विशाल प्रतिमा का निर्माण। वर्ष 2007 ई० में महंत योगी चाँदनाथ जी को राजस्थान सरकार द्वारा राजस्थान गौरव अवार्ड से सम्मानित किया गया। वर्ष 2008 ई० में बी. एड. महाविद्यालयों की, अस्थल बोहर, रोहतक, हरियाणा एवं हनुमानगढ़, राजस्थान में स्थापना, वर्ष 2009 ई० में एम. टेक, एम. फार्मा, कोर्सों का प्रारम्भ, वर्ष 2010 ई० में सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ जी महाराज के समाधि मन्दिर की नींव रखी गई एवं एम.सी.ए. व सिविल इंजिनियरिंग के कोर्स प्रारम्भ किये गये। वर्ष 2011 ई० में बाबा मस्तनाथ पॉलिटेक्निक संस्थान की स्थापना, वर्ष 2012 ई० बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय की स्थापना, वर्ष 2013 ई० बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में विधि-विभाग की स्थापना। वर्ष 2014 ई० में महंत योगी चाँदनाथ जी अलवर लोकसभा क्षेत्र, राजस्थान से सांसद चुने गए। वर्ष 2016 ई० में 5 वर्षीय एम.बी.ए. तथा बी. एससी. केमिस्ट्री ऑनर्स के कोर्स प्रारम्भ हुए।

वर्ष 2016 ई० में अपनी दूरदर्शिता का परिचय देते हुए अपने अनेक शिष्यों में से कर्मठ, ईमानदार, योग्य एवं अनुभवी शिष्य बालक नाथ जी योगी को मठ का उत्तराधिकारी बनाया।

यदि विकास की दृष्टि से अवलोकन किया जाए तो इस मठ में निर्माण में कार्य कभी बन्द होता ही नहीं है। वर्तमान समय में भी लगभग 150 करोड़ रुपये की लागत से अक्षरधाम मन्दिर की तर्ज पर एक भव्य मन्दिर का निर्माण कार्य चल रहा है, जो अपने आप में अनूठा समाधि स्थल और भव्य मन्दिर होगा।

महंत योगी चाँदनाथ जी दिव्य एवं अलौकिक संत थे जो जन्म व मृत्यु के रहस्य को भी भलीभाँति जानते थे, परन्तु विधि के विधान को कौन टाल सकता है। जिसने इस नश्वर शरीर को धारण किया है, हर किसी को उस परमतत्त्व में विलीन होना पड़ता है। इस कालक्रम के प्रवाह में वर्ष 2015 ई० में परमपूज्य महंत योगी चाँदनाथ जी महाराज को एक भयावह बीमारी ने घेर लिया, जिसके चलते वर्ष 7 सितंबर, 2017 चौत्र सुदी द्वादशी को वे ब्रह्मलीन हो गए।

महंत योगी चाँदनाथ जी ने स्वयं के लिए कभी नहीं सोचा, अपितु शिक्षा के माध्यम से वे लाखों लोगों की सेवा करने के लिए वे हमेशा कार्यरत रहे। वास्तव में, वे सच्चे शिक्षाविद और प्रेरणा स्रोत रहे। उन्होंने अपना जीवन जरूरतमन्दों की सेवा एवं उनके उत्थान में लगाया। वे एक सच्चे कर्मयोगी थे। वास्तव में उनके जीवन से लाखों लोगों को प्रेरणा मिलती रहेगी। भले ही वे आज हमारे बीच पार्थिव रूप में नहीं हैं, परन्तु प्रेरणा-स्वरूप वे हमारे साथ हमेशा विद्यमान रहेंगे। यह उक्ति उन पर सटीक बैठती है-

शैले-शैले न माणिक्यं, मौक्तिकं न गजे-गजे। साधवो न हि सर्वत्र, चंदनं न वने-वने।

इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं है कि महंत योगी चाँदनाथ जी महाराज ने इस धरा को अपने कर्म और पुरुषार्थ से अद्भुत-अनूठा बना दिया।

मंगलकामनाएँ

विश्वस्वरूपं जगदीशरूपं धर्मेकयूपं यतिवर्गभूपम्।
वेदार्थसारं त्रयतापहारं श्रीमस्तनाथं सततं नमामि॥



सिद्ध शिरोमणि श्री बाबा मस्तनाथ जी महाराज की तपस्थली के पावन प्रांगण में मेरे दादा गुरु योगिराज श्रीयुत महंत श्रेयोनाथ जी द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में लगाये गये एकमात्र पौधे को मेरे पूज्य गुरुदेव महंत श्री चाँदनाथ जी महाराज ने अपनी दूर दृष्टि, कड़ी मेहनत, लगन एवं कर्मठता से एक वट वृक्ष का रूप दिया अर्थात् उन्होंने एक मात्र शिक्षण संस्थान से बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय बनाया, जिसमें आज 11 संकाय एवं 50 से अधिक पाठ्यक्रम चल रहे हैं। पूज्य गुरुदेव के द्वारा बताये गये रास्ते पर चलते हुए मैं इस विश्वविद्यालय को उन्नति के सर्वोत्तम शिखर पर ले जाने के लिए भरसक प्रयत्न कर रहा हूँ, ताकि देश ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय का नाम बड़े सम्मान और विश्वसनीयता के साथ लिया जाये।

मैं इस विश्वविद्यालय में शिक्षा, चिकित्सा, अध्यात्म, संस्कृति, योग एवं नैतिकता के भव्य भवन को निर्मित करने के लिए कुछ ऐसे विशिष्ट कार्य कर रहा हूँ; ताकि इससे जुड़ा हुआ हर कर्मचारी, अधिकारी, विद्यार्थी एवं समाज इससे जुड़ने में अपनी आन-बान एवं शान समझे। इतना ही नहीं, विश्वविद्यालय की प्रत्येक पाठ्यचर्या को परम्परा तथा आधुनिकता से सम्बद्ध करने का कार्य भी प्राथमिकता के आधार पर रखा गया है। पूज्य गुरुदेव की मान्यता थी कि समाज को शिक्षित करने से बड़ी कोई तपस्या नहीं है। इसलिए वे कहते थे कि-

“ Education breeds Confidence, Confidence breeds Hope
Hope breeds Peace, Peace breeds positivity
Positivity breeds feelings to do something good for others.
And to do good for others is the greatest enjoyment in life.”

वैसे भी सन्तों का अपना कुछ नहीं होता है, वे तो केवल मात्र समाज के उत्थान के लिए जन्म लेते हैं, समाज की भलाई के लिए मर-मिटते हैं। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति होने के नाते मेरी यही कामना है कि विश्वविद्यालय का हर व्यक्ति अपने काम में पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता से जुट जायें। विद्यार्थी पढ़ने में, शिक्षक पढ़ाने में, कर्मचारी एवं अधिकारी अपने कर्तव्य को ठीक से निर्वाह करने में लग जायें, फिर देखना वह दिन दूर नहीं होगा, जिस दिन यह विश्वविद्यालय अपने सपनों का, लोगों के सपनों का विश्वविद्यालय होगा। मैं अपने सभी शिक्षकों एवं अधिकारियों का आह्वान करता हूँ कि वे अच्छे अध्यापन, गुणवत्तापरक अनुसंधान, रोजगारोन्मुखी पाठ्यचर्या, मूल्योन्मुखी शिक्षा पर अधिक बल दें; जिससे विश्वविद्यालय को श्रेष्ठ शिक्षा संस्थान की पंक्ति में खड़ा किया जा सके। मैं सत्र 2020-2021 में सभी प्रवेशार्थी विद्यार्थियों का बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में आगमन पर शुभाशीष देता हूँ। अन्त में हमारी मंगल कामना है कि-

“सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चित् दुःख भाग भवेत्।”

महंत बालकनाथ योगी
सांसद अलवर एवं कुलाधिपति
बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय
अस्थल बोहर, रोहतक



शुभाशंसाएँ

“शिक्षा से मनुष्य का सर्वतोन्मुखी विकास होता है। शिक्षा से मनुष्य की आत्मा का विस्तार होता है। शिक्षा से ही मनुष्य सच्चे अर्थों में मनुष्य बनता है। इसी से उसका लौकिक जीवन सुन्दर तथा पारलौकिक जीवन प्रशस्त होता है।”

शिक्षा का अर्थ शब्दज्ञान-वर्णज्ञान नहीं होता है। शिक्षा का वास्तविक अर्थ है जीवन को सफल तथा सार्थक बनाना। शिक्षा-ग्रहण की कोई अवधि, कोई समय-सीमा भी नहीं होती है। वास्तव में, शिक्षा-अर्जन की प्रक्रिया जीवन-पर्यन्त चलती है। हाँ, यह अवश्य है कि देशकाल तथा परिस्थिति के अनुसार इसके रूप-स्वरूप में परिवर्तन होता रहता है।

हमारे जीवन में आनुवांशिकता तथा वातावरण दोनों का विशेष महत्त्व है। कई बार यह भी सामने आया है कि आनुवांशिकता से हमारा वातावरण-हमारा परिवेश-हमारा पर्यावरण ज्यादा प्रभावी-सुखद होता है। सच में, हमारे चित्त को, हमारी शारीरिक संरचना को, हमारे मन-मस्तिष्क को हमारा वातावरण केवल प्रभावित ही नहीं करता है; वरन् वह उसे रचता भी है- बनाता भी है। जैसा हमारा परिवेश-पर्यावरण होता है, वैसी ही हमारी दृष्टि, हमारी सृष्टि निर्मित भी हो जाती है। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय केवल ‘डिग्री’ ही नहीं देता है, केवल शिक्षा ही नहीं प्रदान करता है, वरन् इसकी धार्मिक-आध्यात्मिक पीठिका हमारे समग्र जीवन को, हमारे सम्पूर्ण व्यक्तित्व को, हमारी सम्पूर्ण जीवनचर्या को नियंत्रित एवं नियमित करती है; साथ-ही-साथ यह संस्थान हमें समाज के प्रति, राष्ट्र के प्रति, धर्म-अध्यात्म के प्रति हमारे दायित्वों का भी बोध कराता है। इसका परिणाम यह है कि यह विश्वविद्यालय केवल एक सक्षम-कुशल विद्यार्थी का ही निर्माण नहीं करता है; वरन् यह एक अच्छे उद्यमी, अच्छे चिकित्सक, अच्छे अधिकारी-अध्यापक की भी सृष्टि करता है। कहने का आशय यह है कि हमारा विश्वविद्यालय एक श्रेष्ठ मनुष्य की सर्जना करता है। यह ‘विधेयम् जन सेवनम्’ को अपना जीवनप्राण मानता है। सचमुच, ‘विधेयम् जन सेवनम्’ ही हमारे विश्वविद्यालय का, हमारे विश्वविद्यालय-परिवार का धर्म भी है और कर्म भी। हमारा विश्वविद्यालय जीवन मूल्यों का, मानव मूल्यों का, आदर्श नागरिकता का भी श्रेष्ठ पाठ पढ़ाता है। वह समग्र मूल्यबोध को जीवन में उतारने की भी शिक्षा देता है।

बाबा मस्तनाथ मठ शिक्षा, चिकित्सा एवं अध्यात्म का श्रेष्ठ और प्रसिद्ध संस्थान है। इसकी पावनभूमि पर स्थापित बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय से जुड़ना, न केवल विशेष गौरव का अहसास कराता है, अपितु परम आनन्द की भी अनुभूति कराता है; क्योंकि इसकी स्थापना चन्द्र अवतार सिद्ध बाबा चौरंगीनाथ जी ने एवं शिव-अवतार महायोगी गुरु गोरक्षनाथ के स्वरूप सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ जी महाराज की कृपा से हुई है।

यह संस्थान सन् 1815 ई0 से शिक्षा के क्षेत्र में अग्रसर है और इसका मुख्य उद्देश्य जनसेवा-लोकसेवा है। यह संस्था सदैव मनुष्य, समाज, देश की उन्नति के लिए प्रतिबद्ध है। नाथ सम्प्रदाय के साधुओं ने न केवल समाज को जाग्रत करने का काम किया है, अपितु उन्होंने स्वतन्त्रता संग्राम में भी बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया है एवं मातृभूमि की प्रतिष्ठा की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति भी दी है। जहाँ तक बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय की बात है तो यह कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं है कि विश्वविद्यालय ने कुछ ही वर्षों में निजी विश्वविद्यालय के रूप में देश में अपनी प्रशंसनीय पहचान बनायी है। हमारा विद्यार्थियों से आग्रह है कि वे अपने गम्भीर, विशद तथा सार्वभौमिक चिन्तन से देश को समर्थ, सबल तथा सक्षम बनायें।

मैं, नये सत्र में सभी प्रवेशार्थी विद्यार्थियों का बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में स्वागत करता हूँ, साथ-ही-साथ यह भी कामना करता हूँ कि वे जिन विशेष उद्देश्यों की पूर्ति हेतु विश्वविद्यालय में प्रवेश ले रहे हैं, उन्हें वे सफलतापूर्वक प्राप्त करें तथा समाज एवं देश की उन्नति व विकास के लिए अपनी सेवाएँ प्रदान करके मानवता के हित में अपनी सार्थकता सिद्ध करें।

आप सभी के प्रति हार्दिक मंगलकामनाएँ।

प्रो० (डॉ०) रामसजन पाण्डेय

कुलपति

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय

अस्थल बोहर, रोहतक

सन्देश

'कल्याण' में लिखा है कि कल्याण
कहने मात्र से फलीभूत नहीं होता है,
अपितु उसके लिए प्रार्थना की भावना
भी कल्याणमयी होनी चाहिए ।'



प्यारे विद्यार्थियों !

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में सत्र 2020-21 में प्रवेश पाने की आपकी भावना एवं आपके विचार वास्तव में प्रशंसनीय हैं, क्योंकि आपके अन्दर विद्यमान सात्त्विक सोच एवं ज्ञान पिपासा ही इस ओर आपको प्रेरित कर रही है।

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय एक मात्र ऐसा संस्थान है जहाँ शिक्षा, चिकित्सा एवं अध्यात्म का अनूठा संगम है, क्योंकि वर्तमान में शिक्षा के क्षेत्र को व्यवसायीकरण एवं धनलोलुपता की वृत्ति ने इतना दूषित कर दिया है कि गरीब एवं मध्यम वर्ग के बच्चों के बहुआयामी विकास एवं उच्च सम्भावनाओं को उभारने का शिक्षा का मूल उद्देश्य ही प्रायः मिटता जा रहा है। जीविकोपार्जन के लिए शिक्षा अध्ययन की उत्तम पद्धति नहीं है। वास्तव में, शिक्षा ऐसी होनी चाहिए, जिसमें जीविकोपार्जन के साथ श्रेष्ठ जीवन मूल्यों की भी उपस्थिति हो। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय शिक्षा के सामाजिक और श्रेष्ठ सरोकारों को लेकर चलता है। वह अपने विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान करने के साथ, श्रेष्ठ मनुष्यता की भी शिक्षा-दीक्षा प्रदान करता है।

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय बाबा मस्तनाथ जी महाराज की पावन तपस्थली है। यहाँ पर शिक्षा एवं चिकित्सा के साथ-साथ विद्यार्थियों में जीवन मूल्यों को पुष्पित, पल्लवित एवं फलित करने का प्रयास किया जाता है। भारत की प्राचीन संस्कृति एवं सभ्यता को जीवित रखने के लिए लुप्त हो रही देवभाषा संस्कृत की शिक्षा निःशुल्क दी जाती है।

हमारे कुलाधिपति, योगी बालकनाथ जी महाराज, पूरे मस्तनाथ विश्वविद्यालय परिवार को साथ लेकर पाश्चात्य सभ्यता की इस चमक-दमक की दुनिया में आधुनिकीकरण के साथ-साथ शिक्षा एवं चिकित्सा में जीवन मूल्यों का समावेश करने लिए प्रयास कर रहे हैं। महाराज जी का स्वप्न और संकल्प है कि बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय भी विश्वविख्यात तक्षशिला, नालन्दा, विक्रमशिला आदि शिक्षा संस्थानों की भाँति प्रतिष्ठित-प्रसिद्ध संस्था बने।

सत्र 2020-21 में प्रवेश पाने के उत्सुक छात्र-छात्राओं का विश्वविद्यालय परिसर में हार्दिक अभिनन्दन एवं स्वागत है।

श्रीमती अंजना राव

अधिष्ठाता

प्रशासन एवं जन सम्पर्क

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय

अस्थल बोहर, रोहतक

Arise, Awake and stop not, till the goal is achieved.

– Swami Vivekananda



Higher education in India is undergoing a remarkable transformation. The University Grants Commission (UGC) has been emphasizing on outcome-based education, rather than the traditional exam-centric educational system which was followed in our country for centuries. In outcome-based education, the real learning outcomes of students are measured in an objective manner mainly to ensure that our higher education system is more accountable and quality-oriented.

Baba Mastnath University, attained the status of University, in 2012, under Haryana Private Universities Act-2006 and Recognised by UGC January, 2016. Since then, BMU Rohtak has revamped the curriculum and implemented major changes in the curriculum delivery to a very large extent. Now, the emphasis is on comprehensive continuous learning rather than rote and exam oriented learning. This results in students spending more time in the laboratories than in the classrooms. The submission of mini-projects for assessment, has been made mandatory. This in turn helps the students in applying the theoretical concepts learnt by them.

We fully understand the vital importance of imparting life and communication skills to our students. We are probably one of the few engineering colleges in India with a separate life skills' training department with seven faculty members. It is mandatory for all engineers and managers in their first and second years of the B.E, MCA and MBA programs to opt for the life and communication courses offered by the BMU Rohtak.

We believe that the education received at BMU Rohtak, must translate into excellent career and job prospects for our students. At BMU Rohtak, we always work very closely with varied industries, to fulfil the job aspirations of our students. In addition to having an excellent placement department, we closely collaborate with varied industries at different levels. We encourage the industries in turn to play an active role as our partners in education. We are in the process of establishing centre for excellence in the area of entrepreneurship, science and technology, Ayurveda and naturopathy and Creative Arts.

Each of these centres is going to play an active role in the design and delivery of major components of our curriculum. Both professional electives and global electives are offered through these centres in the higher semesters of both undergraduate and postgraduate programs.

Finally, ever since we gained status of university, we have ensured that a sizeable number of constructive changes have been made to the traditional curriculum in creating a word-class curriculum and a stimulating learning environment as well.

Welcome to Baba Mastnath University, Rohtak-NCR, Haryana, India

Prof. (Dr.) S.C. Sharma
Dean Academic Affairs
Baba Mastnath University
Asthal Bohar, Rohtak

आध्यात्मिक भूमि पर प्रतिष्ठित एक विश्वविद्यालय



अस्थल बोहर का यह प्राचीन मठ आठवीं शताब्दी से लेकर अब तक जनकल्याण, समाज-सेवा एवं राष्ट्रोत्थान के अनेक उपक्रमों के प्रति संकल्पबद्ध है। यह मठ आमजन व संतों को दीक्षित करके आत्म-साक्षात्कार तथा जनकल्याण में प्रवृत्त होने की प्रेरणा देता आया है। यहाँ से दीक्षा प्राप्ति के बाद अनेक नाथ योगियों ने उक्त उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए इस अस्थल बोहर मठ का आश्रय लिया है। उत्तरी भारत में चौरंगीनाथ जी की तपःस्थली सारे भारतवर्ष में प्रसिद्ध है। यह तपःस्थली नाथपंथ में आई पंथ की एक महत्त्वपूर्ण गद्दी मानी जाती है। इस स्थान पर आई पंथ के साधु बाबा श्री मस्तनाथ जी ने घोर तपस्या की तथा इस स्थान का जीर्णोद्धार करके अस्थल बोहर मठ की स्थापना की। वे गुरु गोरक्षनाथ जी के अवतार माने जाते हैं। उन्होंने अपनी कठोर तपस्या एवं अपार सिद्धियों से यह सिद्ध भी करके दिखाया। परिणामस्वरूप जनमानस उन्हें सतत् गोरख अवतारी कहने लगे। बीसवीं सदी में गद्दी के महंत श्री श्रेयोनाथ जी अपने समय के जाने-माने वैद्य थे तथा सन् 1978 ई० में हरियाणा सरकार के स्वास्थ्य मंत्री भी रहे। वे चाहते थे कि कोई कर्मठ और शिक्षित साधु इस गद्दी का वारिस बने। इस रूप में चाँदनाथ जी योगी को अपना उत्तराधिकारी चुना। महंत चाँदनाथ जी योगी (पूर्व सांसद-अलवर लोकसभा, राजस्थान) ने शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अनेक उत्कृष्ट कार्य करके अलवर क्षेत्र को विकास के नये आयाम प्रदान किये। महाराज जी ने सन् 1912 ई० में बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय की स्थापना की। इससे पहले यहाँ अनेक पाठयक्रम संचालित थे, लेकिन विश्वविद्यालय का दर्जा दिलाने में महंत चाँदनाथ जी योगी का अहम योगदान रहा। जो पौधा उन्होंने लगाया था वह आज दिन-प्रतिदिन नई ऊँचाइयों को छू रहा है। इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं कि उन्होंने जो सपना देखा था, वह निरंतर अपनी ऊँचाइयों को छूते हुए नई मिसाल कायम कर रहा है। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के वर्तमान कुलाधिपति महंत बालकनाथ जी योगी (सांसद-अलवर लोकसभा क्षेत्र, राजस्थान) के निर्देशन में यह विश्वविद्यालय दिन-प्रतिदिन उन्नति और विस्तार के नए कीर्तिमान हासिल कर रहा है।

Campus at a Glance



THE HOLY MATH AND THE UNIVERSITY

Shri Baba Mastnath Math is the oldest and the most popular place of Nath Sect belonging to Kanpada Yogies. This is the main Tapasthali (place of worship) of Nath Yogies and is situated on the outskirts of Rohtak city, near M.D.



University and adjacent to Tilyar Tourist Complex, Rohtak. The campus is on Delhi-Rohtak National Highway No. 10. The Math has been the repository and centre for pursuit of Indian civilization and has been doing yeo-men service for the benefit of mankind. To fulfil the

statutory requirements and for effective and efficient management of Educational and Non-Educational Institutions/Organizations, the Math formed a Trust in 1980 in the name of **SHRI BABA MASTNATH AYURVED AND SANSKRIT SHIKSHAN SANSTHAN.**



Shri Baba Mastnath Ayurved and Sanskrit Shikshan Sansthan is run by Math Asthal Bohar with an excellent track record of 275 years in social service. Although established in 8th century by **Siddh Shiromani Chaurangi Nath Ji**, yet it was rejuvenated by **Shri Baba Mastnath Ji** in 18th century. His

able pupils have been rightfully performing the duties and responsibilities to perpetuate and eternalize the name of Shri Baba Mastnath Ji and what he preached. **Late Mahant Shreyo Nath Ji Yogi**, who was also Health Minister of Haryana, established many Institutions in the sweet memory of his **Guru Shri Baba Mastnath Ji**, the founder of this Math. Then **Late Mahant Chand Nath Ji Yogi**, (Ex. MP from Alwar) added many feathers in the cap in the field of Education and Health and also obtained a University Status by bringing together various Institutions. Now, present Chancellor, **Mahant Balak Nath Ji Yogi** is making best efforts to evolve it into an elite Centre of Education, Health, Spirituality and Yoga.

Contents

S.No.	Particulars	Page No.
1.	Mission, Vision & Objective	11
2.	Campus	12
3.	Eligibility, Duration of Courses and Seats	13
4.	Faculty of Humanities	13
5.	Faculty of Management & Commerce	14
6.	Faculty of Nursing	15
7.	Faculty of Naturopathy & Yogic Sciences	15
8.	Faculty of Pharmacy	15
9.	Faculty of Physiotherapy	16
10.	Faculty of Ayurveda	16
11.	Faculty of Sciences	17
13.	Faculty of Law	17
14.	SBMN Technical Campus	18
15.	Faculty of Engineering	18
16.	Shri Baba Mastnath Nursing Institute	18
17.	Shri Baba Mastnath Institute of Educational Training & Research	18
18.	Fee Structure	19-20
19.	Admission Schedule	21
20.	Admission Procedure	21
21.	Schedule of Payment of Fee	22
22.	Rules and Regulations	23-24
23.	Faculty	25
24.	University Library	25
25.	Hospitals	26
26.	Other Activities/facilities	27
27.	Academic Schedule	28
28.	BMU Alumni	29
29.	Our Best Recruiters	30
30.	Glimpses of Activities	31-32
31.	Important Telephone Numbers	

MISSION

- To evolve the University as a World Class Institution for developing competent manpower to support and augment India's efforts in creating knowledge-based resources and enriching human values in the present society.
- To achieve academic excellence in Humanities, Science, Engineering, Management, Law, Commerce, Education, Medical and Para-Medical Sciences, Pharmaceutical Sciences, Yoga and Naturopathy through commitment to learning, innovation in teaching and research, dedication to duty and faith in cultural ethos.
- To enable the students to become outstanding professionals with all round physical, mental, social, cultural, spiritual and financial development through ethical standards in order to face the challenges of the new age.
- To fulfil the expectations of the society by equipping the students to stand and strive as resourceful citizens and to make them aware of their immense responsibilities to man and nature.

VISION

- To be a premier University with the professed aim of developing the youth as socially responsive, ethically oriented, and empowered professionals through high-tech teaching, research and innovation.
- To enhance abilities and skills of faculty members and other academic contributors through faculty development programmes, workshops, seminars, conferences and new-age communicative techniques.
- To strengthen industry-institution interface for building a bridge between current advancements in science and technology, business and commerce, arts and humanities, law and education, etc and future needs of the fast growing world.
- To disseminate knowledge and wisdom to the learners and make their minds strong enough to make a right decision for the successful life-journey.

OBJECTIVE

- To establish and run schools of higher learning and research in the faculties of Ayurveda, Pharmacy, Physiotherapy, Humanities, Law, Education, Physical Sciences, Management, Engineering, Medical & Paramedical Sciences.
- To produce excellent doctors, engineers, managers, pharmacists, physiotherapists, paramedical professionals, scientists, and educationists with Indian ethics and values.
- To bring together all institutions run by the University under one banner for a symbiotic relationship.
- To spread the message of scientific and technological advances.
- To supplement Government efforts in Human Resource Development.
- To provide health care facilities for rural people.
- To provide technical knowhow for Entrepreneurial Development for youth.

CAMPUS



The campus is spread over more than 200 acres of land. The campus has a laudable combination of Spirituality, Education, Health, Technology and Greenery. The University has newly constructed spacious buildings comprising Administrative Block, well

equipped and furnished Teaching Halls, Conference Halls, Computer Labs, Libraries, Seminar Halls, Lecture Theatres and Laboratories. The Campus has a well furnished and fully air-conditioned Auditorium with a capacity to seat 1500 persons. The Campus also has a famous



Eye Hospital, Dental Hospital, Physiotherapy Hospital and an Ayurved Hospital to support medical curriculum. The hospitals are extending commendable services for the people of Northern India. Every year around One Lakh patients are being treated free of cost.

ELIGIBILITY, DURATION OF COURSES AND SEATS

FACULTY OF HUMANITIES

S. No.	Course	Eligibility	Duration	Seats
1.	B.A. (As per the option of subjects available in the University)	10+2 examination conducted by Central Board of Secondary Education / Haryana Board of School Education or equivalent examination from a recognized Board	3 Years	240 (3 units)
2.	M.A.(Hindi, English, History, Public Administration, Economics, Sociology, Political Science, Geography)	Bachelor Degree or equivalent from a recognized University.	2 Years	60 in each subject
3.	M.A. (Home Science)	Bachelor Degree or equivalent from a recognized University, with Home Science as a subject.	2 Years	60
4.	M.A. Sanskrit	Shastri / B.A. Degree or equivalent from a recognized University, with Sanskrit (Elective/Compulsory)	2 Years	40
5.	B. Lib. & Information Science	Bachelor Degree from a recognized University	1 Year	60
6.	M. Lib. & Information Science	B. Lib. & Information Science Examination from a recognized University	1 Year	30
7.	Shastri	10+2 examination conducted by CBSE/Haryana Board or equivalent examination	3 Years	40
8.	B.A. (Journalism & Mass Communication)	10+2 examination conducted by Central Board of Secondary Education/Haryana Board of School Education or equivalent examination from a recognized Board	3 Years	40
9.	M.A. (Journalism & Mass Communication)	Bachelor Degree or Equivalent from a recognized University	2 Years	30
10.	M.A. (Education)	Bachelor Degree or Equivalent with 50% marks from a recognised University.	2 Years	50

FACULTY OF MANAGEMENT & COMMERCE

S. No.	Course	Eligibility	Duration	Seats
1.	Bachelor of Business Administration (B.B.A.)	10+2 examination conducted by Central Board of Secondary Education / Haryana Board of School Education or equivalent examination from a recognized Board	3 Years	60
2.	Master of Business Administration (M.B.A.)	Bachelor Degree of minimum three years duration or equivalent with at least 50% marks in aggregate.	2 Years	60
3.	Bachelor of Commerce (B.Com.)	10+2 examination conducted by Central Board of Secondary Education/ Haryana Board of School Education or an equivalent examination from a recognized Board	3 Years	120
4.	Master of Commerce (M.Com.)	B.Com/BBA/BA with Economics/ Commerce/ Marketing/Insurance as a subject or any other examination of a recognized university	2 Years	60
5.	Bachelor of Computer Applications (B.C.A.)	10+2 Examination from C.B.S.E. / Haryana Board of School Education or an equivalent examination from a recognized Board	3 Years	60
6.	Master of Computer Applications (M.C.A.)	Passed B.C.A. / Bachelor's Degree in Computer Science Engineering or equivalent Degree. Or passed B.Sc./ B.Com./B.A. with Mathematics at 10+2 level or Graduation level(With additional bridge courses as per the norms of the Concerned University) Obtained at least 50% marks(45% marks in case of candidates belonging to reserved category) in the qualifying Examinations.	2 Years	30

FACULTY OF NURSING

S. No.	Course	Eligibility	Duration	Seats
1.	Post Basic B.Sc. Nursing* (2Years)	G.N.M. examination from a recognized Board/University	2 Years	25

* Subject to approval by INC.

FACULTY OF NATUROPATHY & YOGIC SCIENCES

Being Commenced from Academic Session 2020-21

S. No.	Course	Eligibility	Duration	Seats
1.	Diploma in Yoga & Naturopathy	10+2 conducted by CBSE/ HBSE or equivalent examination from any recognized Board with Physics, Chemistry & Biology	3½ Years (incl. 6 month Internship)	60
2.	Bachelor of Naturopathy & Yogic Science (BNYS)	NEET / As prescribed by the concerned State/Central Councils	5½ Years (incl. one year of Internship)	60

FACULTY OF PHARMACY

SBMN Institute of Pharmaceutical Sciences & Research

S. No.	Course	Eligibility	Duration	Seats
1.	Master of Pharmaceutical Science(M.Pharma)	B.Pharma with 50% marks from recognised University	2 Years	Pharmaceutics - 06 Pharmacology - 03
2.	Bachelor of Pharmaceutical Science(B.Pharma)*	10+2 examination in Science Stream (PCM/PCB)with English from CBSE / HBSE or any other Board recognised equivalent thereto, obtaining atleast 50% marks in aggregate of these subjects.	4 Years (Semester System)	100

Baba Mastnath University Faculty of Pharmaceutical Sciences

S. No.	Course	Eligibility	Duration	Seats
1.	Bachelor of Pharmaceutical Science(B.Pharma)*	10+2 examination in Science Stream (PCM/PCB)with English from CBSE / HBSE or any other Board recognised equivalent thereto, obtaining atleast 50% marks in aggregate of these subjects.	4 Years (Semester System)	100

* For admission to B.Pharma the candidate must be of the age of 17 years on 31st Dec. of the admitting year.

2.	Diploma of Pharmaceutical Science (D.Pharmacy)	10+2 examination in Science Stream from a recognized Board, as a regular candidate	2 Years	60
----	--	--	---------	----

FACULTY OF PHYSIOTHERAPY

S. No.	Courses	Eligibility	Duration	Seats
1.	Bachelor of Physiotherapy (BPT)*	The candidate must have passed intermediate (10+2) or its equivalent examination recognised by the concerned State Government and Education Board with the subjects of Physics, Chemistry, Biology and English individually and must have obtained minimum of 50% marks taken together in Physics, Chemistry and Biology at the aforesaid qualifying examination in the case of general category and 45% marks in the case of the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other Backward Classes	4½ Years (including 6 months internship)	120
2.	Master of Physiotherapy (MPT)	50% marks in BPT from a recognized University	2 Years	10 each in Ortho, Neuro, Sports

*For admission to BPT, the candidate must be of the age of 17 years on 31st Dec. of admitting year.

FACULTY OF AYURVEDA

S. No.	Courses	Eligibility	Duration	Seats
1.	Bachelor of Ayurvedic Medicine & Surgery (BAMS)	NEET / As prescribed by the concerned Central / State Authority	5½ Years (including 1 year internship)	60

Note : For admission to BAMS the candidate must be of the age of 17 years on 31st Dec. of the admitting year.

FACULTY OF SCIENCES

S. No.	Courses	Eligibility	Duration	Seats
1.	B.Sc.(Hons) Chemistry, Maths	10+2 examination in Science Stream conducted by CBSE / HBSE or equivalent examination from a recognized Board, with minimum 50% marks in aggregate	3 Years	60
2.	B.Sc. Medical / Non-Medical	10+2 examination in Science Stream conducted by CBSE / HBSE or equivalent examination from a recognized Board.	3 Years	Med.-60 N.Med.-80
3.	M.Sc. (Physics, Chemistry, Botany, Zoology)	B.Sc. exam or equivalent examination from a recognized University with relevant / allied subject with minimum 50% marks	2 Years	Phy. - 80 Chem. - 90 Botany - 90 Zoology - 80
4.	M.Sc. Mathematics	B.A./B.Sc. or equivalent examination from a recognized University with relevant / allied subject with minimum 50% marks	2 Years	40

FACULTY OF LAW

S. No.	Courses	Eligibility	Duration	Seats
1.	B.A.LL.B*	45% Marks in 10+2 Examination conducted by CBSE/HBSE or equivalent examination from recognized Board	5 Years	120
2.	LL.B*	45% Marks in Graduation Examination from a recognized University	3 Years	120
3.	LL.M	50% Marks in LLB Examination from a recognized University	1 Year	50

*The decision of the Hon'ble Supreme Court of India with regard to age restriction will be applicable.

SBMN TECHNICAL CAMPUS

S. No.	Courses	Eligibility	Duration	Seats
1.	Diploma in Pharmacy (D.Pharma)	10+2 examination in Science Stream from a recognized Board, as a regular candidate	2 Years	60
2.	M.Tech. (Civil Engg., Mechanical Engg, Computer Science Engg., Electronics & Communication Engg.)	B.E./B. Tech in relevant discipline with 50% marks in aggregate.	2 Years	CE - 18 ME - 48 CSE - 42 ECE - 42

FACULTY OF ENGINEERING

S. No.	Courses	Eligibility	Duration	Seats
1.	B.Tech (Civil Engg., Mechanical Engg, Computer Science Engg Electronics & Communication Engg.)	(I) 10+2 Examination conducted by CBSE / HBSE in Science Streams(PCM) or equivalent examination from a recognized Board obtaining at least 50% marks in PCM (ii) A candidate may be admitted directly to the 3rd semester of these courses if he/ she has passed 3 year Diploma Course in the relevant discipline from Haryana Board of Technical Education or its equivalent with at least 50% aggregate marks	4 Years	CE - 60 ME - 120 CSE - 120 ECE - 60
2.	M.Tech. (Civil Engg., Mechanical Engg, Computer Science Engg and Electronics & Communication Engg.)	B.E./B. Tech in relevant discipline with 50% marks in aggregate.	2 Years	CE - 18 ME - 18 CSE - 18 ECE - 18

SHRI BABA MASTNATH NURSING INSTITUTE

Courses : A.N.M. #, G.N.M.* (Under SBMN Ayurved & Sanskrit Shikshan Sansthan)

Admission to these courses will be made by the Admission Authority designated by the State Govt./DMER.

*Approved by INC, Affiliated to HNRC.

SHRI BABA MASTNATH INSTITUTE OF EDUCATIONAL TRAINING & RESEARCH

Courses : D.Ed.#, B.Ed.* (Under SBMN Ayurved & Sanskrit Shikshan Sansthan)

Approved by NCTE, Jaipur and SCERT, Gurugram.

*Approved by NCTE and Affiliated to MDU Rohtak.

Admission to these courses will be made by the Admission Authority designated by the State Govt..

FEE STRUCTURE

	1	2	3	4	5	6	7	
Name of Course	Tuition Fee	Develp. Fee	Regn. /Cont. Charges	Other Charges	Sports /Cult. Activities	Lab Fee	Hosp /Clin Fee	Total
BA	3000	5800	2200	3500	500	-	-	15000
MA(Hin., Eng., Hist, Pol. Sci., Eco., Soc.,Educ.,Geog., Home Sci., Pub. Admin.)	4000	9800	2200	3500	500	-	-	20000
MA Sanskrit	5000	-	-	-	-	-	-	5000
B.Lib.	4000	9800	2200	3500	500	-	-	20000
M.Lib.	5000	13800	2200	3500	500	-	-	25000
Shastri	5000	-	-	-	-	-	-	5000
BJMC	4000	9800	2200	3500	500	-	-	20000
MJMC	5000	13800	2200	3500	500	-	-	25000
BBA	4000	9800	2200	3500	500	-	-	20000
BCA	4000	9800	2200	3500	500	-	-	20000
B.Com	3000	5800	2200	3500	500	-	-	15000
M.Com	4000	9800	2200	3500	500	-	-	20000
MBA 2-Year	7000	36800	2200	3500	500	-	-	50000
MCA 2-Year	7000	36800	2200	3500	500	-	-	50000
P.B.B.Sc (Nusg.)	7000	42800	2200	3500	500	25000	19000	100000
Diploma in Yoga & Natu.	3000	15800	2200	3500	500	5000	-	30000
BNYS	10000	46800	2200	3500	500	40000	37000	140000
BAMS	100000	120000 (Training fee)	-	150000 (Add. On Charges)	-	-	20000	390000

FEE STRUCTURE

	1	2	3	4	5	6	7	
Name of Course	Tuition Fee	Develp. Fee	Regn. /Cont. Charges	Other Charges	Sports /Cult. Activities	Lab Fee	Hosp /Clin Fee	Total
B.Pharmacy	7000	37800	2200	3500	500	29000	-	80000
M.Pharmacy	7000	37800	2200	3500	500	29000	-	80000
BPT	5000	26800	2200	3500	500	12000	-	50000
MPT	7000	38800	2200	3500	500	18000	-	70000
B.Sc. (Hons)Chem./Maths	3000	9800	2200	3500	500	6000	-	25000
B.Sc. (Med. & N.M)	3000	8800	2200	3500	500	2000	-	20000
M.Sc. (Phy., Chem., Botany, Zoology)	7000	21800	2200	3500	500	20000	-	55000
M.Sc. (Math)	7000	21800	2200	3500	500	-	-	35000
BALLB (5-Year)	7000	26800	2200	3500	500	-	-	40000
LLB (3-Year)	7000	26800	2200	3500	500	-	-	40000
LLM (1-Year)	15000	58800	2200	3500	500	-	-	80000
D.Pharmacy	6000	30800	2200	3500	500	22000	-	65000
B.Tech.	5000	34800	2200	3500	500	9000	-	55000
M.Tech.	10000	30800	2200	3500	500	28000	-	75000

शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति को व्यावहारिक बनाना है।

जो शिक्षा व्यावहारिक नहीं है, वह व्यर्थ है।

- स्वामी विवेकानंद

ADMISSION SCHEDULE

1. Availability of Prospectus 15-06-2020
2. Last date of submission of Admission Forms 16-08-2020
3. Admission without Late Fee 10-09-2020
4. Admission with Late fee (Rs. 200) 30-09-2020
5. The above schedule will not be applicable in the case of Technical Courses (Engg., B. Pharm/ D.Pharm, Law, MBA & MCA) and Medical Courses (BAMS, Nursing, BPT/MPT, BNYS). The admission and the schedule in respect of admission to these Courses will be as per the instructions received from the State Government/ Apex Body. The applicants should regularly browse the University Website *www.bmu.ac.in* in this regard. Students will have to abide by the Government /Apex Body instructions in regard to their admissions to these courses and the University will not be liable for any consequences whatsoever.
6. For admission to B.A./B.Sc/B.Com./BBA and BCA courses:
 - i) A candidate who is placed in compartment in one subject only in 10+2 examination of the Board of School Education Haryana, Bhiwani or of any other equivalent Board/University recognized by this University may be allowed admission provisionally in 1st semester.
 - ii) Such a candidate must clear the compartment in two consecutive chances. If he /she fails to produce/submit the proof of having passed the compartment subject even at the second chance to be held simultaneously with TDC-2nd semester examination, his/her result for the TDC - 1st & 2nd semester examination shall stand automatically cancelled.
7. The Admission Schedule for admission to Ph.D. Courses will be notified separately on the University Website.
8. Number of seats shall be at the discretion of the University with the approval of the competent Authority/ Apex Body, if any.
9. SC/ST candidates will be given 5% relaxation in marks obtained in the qualifying examination. However, this will not go below the pass marks.

ADMISSION PROCEDURE

1. The Information Brochure will be available at the Counter on payment of Rs. 1000. The candidate can also download the Admission Form from the website "*www.bmu.ac.in*". Such candidates will submit the Admission Form along with the Bank Draft of Rs. 1000 in favour of Baba Mastnath University, Asthal Bohar, Rohtak. The Admission Form completed in all respect may be submitted in the concerned Dept/ Faculty. However, the students can also apply online as per instructions through university website '*www.bmu.ac.in*.'
2. The admissions in the University shall be made on Academic Merit or the merit in the Entrance Test conducted by an Agency of the State Government or the Association of Private

Universities. The Academic merit may be determined either on the basis of marks or grade obtained in the qualifying examination and/or achievements in the co-curricular and extra-curricular activities.

3. The candidates should remain in touch for the Entrance Test to be conducted as per the guidelines of the State Government.
4. In case sufficient applications are not received in a Course, the applicant(s) will be given option to change to any other Course in the University, subject to the eligibility and merit or for refund of fee.
5. A minimum of 25% seats for admissions are reserved for students of the State of Haryana out of which 10% seats shall be reserved for students belonging to Scheduled Castes of the State of Haryana.
6. The Fee Concession for 25% of the students who are residents of Haryana will be as per the approved policy.
7. All admissions are provisional subject to verification of documents and approval by the Competent Authorities.
8. The outlines of courses have been made available on the University Website.

SCHEDULE OF PAYMENT OF FEE

1. **The Fee will be charged in two Instalments. First Instalment will be paid by the students at the time of admission and second Instalment by 31st January. Students who fail to deposit second instalment by 31st January, will be charged late fee as per the schedule to be notified separately. For old Students, the schedule of payment of fee (without late fee/with late fee) will also be notified separately.**
2. One time Processing Fee will be charged extra at the time of admission i.e. Rs. 5000 in all UG Courses (except B.A. LL.B. & LL.B.) and Rs. 10000 in PG Courses as well as LL.B/B.A. LL.B. Courses. The Examination Fee, Red Cross Fee (Rs. 80), Magazine Subscription(Rs. 250) and Hostel Charges will also be charged extra. No Processing fee is being charged from the students of Shastri /M.A. Sanskrit.
3. In case a student remains absent from the class continuously upto 7 days, he/she will be charged a fine of Rs. 500. Beyond 7 days, his/her name will be struck off and re-admission may be allowed on payment of fine of Rs. 1,500 within 15 days. If he/she remains absent after 15 days, re-admission will be allowed on payment of the Rs. 2,000 with prior approval of Vice Chancellor, provided that the student is likely to complete the required number of lectures, to be eligible, to appear in the examination.

RULES AND REGULATIONS

1. Refund /Cancellation Policy

All requests for cancellation / withdrawal of admission must be made in writing well in time on the prescribed format available from the Registrar Office along with the original Fee Receipt.

In case, a student withdraws his/her admission within 7 days after last date of admission without late fee, i.e 10-09-2020 the fee deposited by him/her shall be refunded after deducting Processing Fee. No refund will be admissible in case the candidate applies after the prescribed period of seven days i.e. 17-09-2020. The students who are admitted with late fee will not be entitled for any refund of fee.

2. Anti-ragging Drive & Zero Tolerance Policy on Disciplinary Aspects

Ragging, its abetment, eve-teasing and/or any kind of mental or physical harassment, either directly or indirectly, of any student(s) by whatsoever name called which may hurt the sensibilities or self esteem of student(s), inside or outside the University and/or its hostel(s) / mess, cafeteria is strictly prohibited by law as held by the Hon'ble Supreme Court of India vide its Order dated 08 May 2009 in the case titled "University of Kerala Vs Council, Principal's College Kerala & others" bearing CA No. 887/2009.

Disorderly conduct whether by words spoken or written or by an act, which has the effect of teasing, treating or handling with rudeness any other student(s), indulging in rowdy or indisciplined activities which cause or is likely to cause annoyance, hardship or psychological harm or to raise fear or apprehension thereof in fresher or junior student(s) or asking the student(s) to do any act or perform something, which such student(s) will not do in the ordinary course and which has the effect of causing or generating a sense of shame or embarrassment so as to adversely affect the physique or psyche of fresher or a junior student shall constitute an act of ragging.

Association, active or passive, with any unlawful organization including holding and/ or participating in demonstrations, inciting violence, displaying notices or circulating handbills in the University and/ or its hostel (s)/ mess are strictly prohibited.

Smoking, consumption of alcohol, drugs or any other intoxicant by whatsoever name called within the University premises and/ or its Hostel(s) is strictly prohibited.

Any student carrying a fire arm or any dangerous weapon in and around the University premises and / or its hostel(s) shall be suspended forthwith and expelled from the University.

Besides police/ legal action, a student found indulging in any of the above activities shall be expelled from the University. In case of expulsion from the University, under such circumstances, the student's tuition, development and / or any other fee paid by him/ her shall stand forfeited.

3. Campus Rules

- a) **Students of all courses should be regular in attending classes. 75% attendance is required in each subject (Theory/Practical, where-ever applicable, separately) to appear in the respective examination. Student falling short of attendance will not be allowed to appear in the examination.**
- b) All students will submit assignments and participate in seminars and presentations. Any delay in the submission of assignment or absence from test or activity will automatically lead to actions as per rules.
- c) All students have to wear proper prescribed uniform every day, otherwise action will be taken as per instructions of Uniform Committee.
- d) Students shall have to switch off their mobile phones before entering the class-room, library and labs. other wise, it will be confiscated.
- e) The students must see the notices/instructions from time to time displayed on Notice Board. No excuse on this account will be entertained.

4. Hostel Rules

- a) Hostel door will be opened in the morning at 5.00 AM and closed at night at 10.00 PM. Before and after this time, permission will be taken from the Hostel Warden to stay away.
- b) All hostlers should seek prior permission of Hostel Warden for going home or to relative's / guardian's house.
- c) Use of alcohol and intoxicants of any nature are strictly prohibited. If any student is found guilty, strict disciplinary action including fine or cancellation of admission will be taken.
- d) Students are advised not to keep excessive cash or valuables with them in the hostel.
- e) Students leaving for home must obtain the Outward Pass duly authorized by Warden, and get it signed from their parents, which will be checked on their return.

5. Limited Liability

All admissions made by the Admission Committee are provisional and subject to confirmation by the University. If the admission of any candidate(s) is not confirmed by the University, for any reason whatsoever, liability of the University will be limited only to the refund of full fee Paid by the candidate and that there shall be no further consequential liability on the University and / or any of its employee(s).

In case a candidate seeks admission by producing any forged document or fraudulently, his admission shall be cancelled forthwith and fee will be confiscated. Further legal action will be taken against him/her as per rules.

6. Jurisdiction

Disputes, if any, arising out of this Admission Policy & Selection Procedure shall be the subject matter of Rohtak Courts only.

FACULTY

The University employs a well qualified faculty whose accumulated knowledge and experience not only ably supports the academic curriculum of various courses, but also enable students to acquire practical wisdom so necessary to develop analytical skills and enable decision making. The faculty also helps the students to face real life situations with greater confidence, zeal and vigour.



UNIVERSITY LIBRARY



The BMU Central Library has a rich collection of more than 10,000 publications including Books, Journals and reference material. It is further augmented by newspapers and periodicals. It is housed in a well furnished and modern building. Its functioning is further being improved by automation, and providing it with an IT Cell consisting of computers, printers and internet for e-learning and research activities.

The University not only is a knowledge center, but is also a

laboratory for experiments and learning for library scientists and budding library professionals.

Apart from central library, various Colleges and Departments have their respective libraries for specific subjects.

- Books shall be issued to students for a period of 15 days. A fine of Rs. 50 per day will be imposed if books are not returned on time.
- Students must present their Identity / Library Card for issue of Books/Journals/Magazines.
- The students will obtain "No Dues/Clearance" from library before issuance of examination Roll Number and Final Clearance.

HOSPITALS

Eye Hospital

The Campus has a famous Eye Hospital, started in 1948. The hospital is extending commendable services to the people of Northern India. Every year around 1,00,000 patients are being treated free of cost. The hospital is having state-of-art gadgets and equipments. The capacity of the hospital is 250 beds.



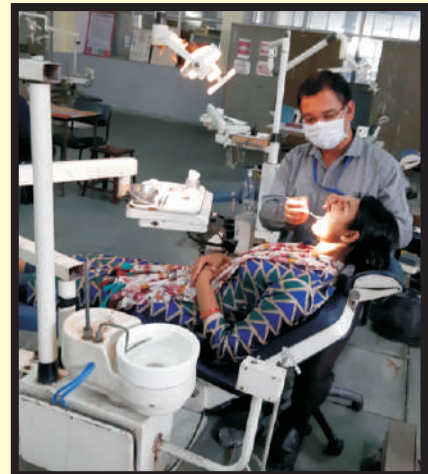
General Hospital

There is also a General Hospital attached to SBMN Ayurvedic College, providing free of cost treatment to the patients of nearby area and the students of the University. In the Ayurvedic General Hospital, PANCHKARMA is a purificatory and rejuvenating therapy . It deals with five types of Karma i.e. Vamana, Virechana, Basti which is of two types Anuvasana and Niruha and finally Nasya. It

also includes Raktamokshana. Snehana and Swaedena are the pre-purificatory therapies i.e. the procedure which is done before the above said panchkarma therapies.

Dental Hospital

There is Dental hospital which was started in 1997. It has 121 Dental chairs with all accessories. It has also the most important dental equipments like RVG and OPG. Now the Dental OPD is about 70 patients per day.



Physiotherapy Hospital

The University has a Physiotherapy Hospital also, having the facilities for treatment of all types of pains, disabilities and Injuries like sports injury, musculoskeletal injuries, nerve related Injuries like hemiplegia, diplegia, quadriplegia and nerve damage etc and birth related anomalies. Physiotherapy is an ultra modern technique to promote mobility, improve impairment and quality



of life by using physical methods like exercise, mobilization, manipulation, pressure, temperature (hot or cold), vibration, electric stimulus etc. The hospital consists of different department like Neruo-rehabilitation, Sports-training, General Rehabilitation, Electrotherapy, Exercise Therapy etc. The hospital has state-of-the-art equipment for physiotherapeutic treatment. Normal OPD of the Physiotherapy Hospital is around 100 patients per day

OTHER ACTIVITIES/FACILITIES

1. NCC

The University has NCC Training for girls and boys. The students who wish to enrol themselves for NCC should contact NCC Officer within 15 days of the admission. On completion of NCC Training, the students will be awarded Certificates as per their performance & Govt. rules.



2. NSS

The University also has unit(s) of National Service Scheme (NSS). The overall objective of the NSS is service to the community.

3. Sports

Sports activities will be conducted from time to time as per the calendar to be circulated by the Director Sports/Dean Students Welfare during the Session.



4. Cultural Activities

The University has a Cultural Council for promotion of Cultural Activities on the Campus. Various Events and Youth Festival are organised to promote Indian Culture and Values.

5. Career Guidance & Placement Cell

The University has a well established Career Guidance & Placement Cell under the Dean Students Welfare. The Cell organises Placement activities from time to time in collaboration with reputed Organisations / Industries to ensure Campus Placement of maximum students.

6. Roll of Honor/Awards

If a student obtains 1st Rank in Academic/ Sports/ NSS/ NCC, he/she will be honoured by Roll of Honor. The University shall acknowledge the Rankers of each program (Specialization-wise, wherever applicable) by awarding them medals to be distributed at the time of Convocation. Students shall also be appreciated by awarding Certificates to those who pass with Distinction or such other criteria as may be approved by Board of Management.

ACADEMIC SCHEDULE

1. Teaching Schedule 2020-21

- a) Annual Scheme except PB. B.Sc. (Nursing)
- | | | |
|------------------|---|--|
| 1st Term | : | 01-09-2020 to 31-12-2020 (10-08-2020 for old students) |
| Winter Vacations | : | 01-01-2021 to 14-01-2021 |
| 2nd Term | : | 15-01-2021 to 31-03-2021 |
| Practical Exams | : | 01-04-2021 to 08-04-2021 |
| Theory Exams | : | 09-04-2021 onwards |
- b) Semester Scheme
- | | | |
|-----------------|---|--|
| IstTerm | : | 01-09-2020 to 06-12-2020 (10-08-2020 for old students) |
| Practical Exams | : | 07-12-2020 to 15-12-2020 |
| Theory Exams | : | 16-12-2020 onwards |
| 2nd Term | : | 15-01-2021 to 30-04-2021 |
| Practical Exams | : | 01-05-2021 to 09-05-2021 |
| Theory Exams | : | 10-05-2021 onwards |

The Teaching Schedule of PB-B.Sc. (N) will be notified separately.

2. List of Holidays during the Calendar Year 2020-21

Day	Date	Holiday
All Sundays		
Thursday	02-Jan	Guru Gobind Singh Jayanti
Thursday	30-Jan	Basant Panchami/ Sir Chhotu Ram Jayanti
Tuesday	18-Feb	Maharshi Dayanand Saraswati Jayanti
Friday	21-Feb	Maha Shivratri
Tuesday	10-Mar	Holi
Monday	23-Mar	Shaheedi Divas of Bhagat Singh, Rajguru & Sukhdev
Thursday	02-Apr	Ram Navmi
Monday	06-Apr	Mahavir Jayanti
Tuesday	14-Apr	Dr. B.R. Ambedkar Jayanti
Saturday	25-Apr	Parshuram Jayanti
Monday	25-May	Id-ul-Fiter/ Maharan Partap Jayanti
Friday	05-Jun	Sant Kabir Jayanti
Thursday	23-Jul	Hariyali Teej
Friday	31-Jul	Shaheed Udham Singh Martyrdom Day
Saturday	01-Aug	Id-ul-Zuha (Bakr-id)
Monday	03-Aug	Raksha Bandhan
Wednesday	12-Aug	Janamashtmi
Saturday	15-Aug	Independence Day
Wednesday	23-Sep	Shaheedi Divas/ Haryana War Heroes Martyrdom Day
Friday	02-Oct	Mahatma Gandhi Jayanti
Saturday	17-Oct	Maharaja Agrasen jayanti
Saturday	31-Oct	Maharshi Valmiki Day
Saturday	14-Nov	Diwali
Monday	30-Nov	Guru Nanak Jayanti
Friday	25-Dec	Christmas
Saturday	26-Dec	Shaheed Udham Singh's Birth Day.

BMU ALUMNI



Dr. Rajeev K. Singla

Post-Doc, Institute for Systems
Genetics West China Hospital
Sichuan Univeristy, Chengdu



Mr. Sunit Kavatra

Managing Director
Jimsun Life Sciences
Pvt. Ltd.



Dr. Vineet Mittal

Sr. Professor in MDU
Rohtak, Haryana
NAAC Accredited A+ State University



Dr. Anupama

Regulatory Scientist
Kinapse India
Scientific Pvt. Ltd.



Narender Jeet Singh

AGM- Internal Audit
Ashok Leyland Ltd.
Gurugram



Er. Vijay Shankar Kaushik

System officer in HUDA
Computer Engineer



Er. Puneet Sahni

SDO in Irrigation Dept.
Civil Engineer



Dr. Nitin Sharma

Senior Manager
Eli Lily & Co.
USA



Surjeet Sharma

National Sales Manager
Cyprus



Er. Jitender Kadian

Vice President,
Company Airspan Network
ECE Department



Dr. Karanveer Singh Seherawat

Dean(retd.), MSM Institute
of Ayurved Khanpur Kalan
Sonipat



Dr. Vishav Kirti Bhardwaj

Registrar, Board of Ayurvedic
& Unani System of Medicine



Er. Himanshu

Astt.Engg in Irrigation &
Water Resources in HIPA
Civil Engineer



Dr. V.V. Chikara

Retd. Dean
Shri Krishna Govt. Ayurved
College, Kurukshetra



Amit Rathee

Austria



Er. Deepak Jain

Entrepreneur
ECE Department

OUR BEST RECRUITERS:



LPS BOSSARD

Proven Productivity



भारतीय सेना

MARUTI SUZUKI

Way of Life!



ESCORTS



LHGL



Infosys®



RELIGARE

Values that bind



CAPARO FASTENERS

Secure. For Sure.



Satyam



sona

Driving Tomorrow

GLIMPSES OF ACTIVITIES



BABA MASTNATH UNIVERSITY

Important Telephone Numbers

University Contacts	Phone Number
Helpline/Enquiry	9053066636
	8683888830
	8683888831
	8683888832
Registrar	9053066605
Controller of Examinations	9053066608
Dean Students' Welfare	9053066620
Dean Administration and Public Relations	9053066601
Dean Academic Affairs	9053066622
Faculty of Sciences	9053066627
Faculty of Ayurveda	9053066614
Faculty of Mgt. and Commerce	9053066610
Faculty of Pharmacy	9053066613
Faculty of Law	9053066616
Faculty of Education	9053066619
Faculty of Physiotherapy	9053066611
Faculty of Humanities	9053066620
Faculty of Engineering	9053066610
SBMN Nursing Institute	9053066617
Shri Baba Mastnath Girls Hostel	9053066621
Shri Baba Mastnath Boys Hostel	9053066626
Anti Ragging Committee Male	9053066610
Anti Ragging Committee Female	8168731098

The applicant should refer to the University Website www.bmu.ac.in for any further change or updated detail.

आओ सभी मिलकर वातावरण को स्वच्छ एवं सुन्दर बनायें

**पेड़ लगाओ
जीवन बचाओ**



आओ मिलकर पेड़ लगाएँ, वातावरण स्वच्छ और देश समृद्ध बनाएँ



BABA MASTNATH UNIVERSITY

ASTHAL BOHAR (ROHTAK)-124021

(Established under Haryana Private Universities Act, 2006 and recognised by the UGC vide Letter No:F.8-14/2012(CPP-1/PU) dated 05 Jan 2016)

COURSES OFFERED BY THE UNIVERSITY : 2020-21

BAMS	D.Pharma	B.Pharma	M.Pharma
BPT	MPT	B.TECH. (CSE, ECE, CE, ME)	M.TECH. (CSE, ECE, CE, ME)
B.Com.	BCA	BBA	D.Ed.
M.Com.	MCA (2 Years & 5 Years)	MBA (2 Years & 5 Years)	B.Ed.
B.Sc. Medical/Non-Medical	M.Sc. Phy.Chem.Botany,Zoology,Maths	BJMC	MJMC
B.Sc.(Hons.) Chemistry/Maths	B.Sc./M.Sc. Home Science	B.A.	SHASTRI
B.Lib.	M.Lib.	M.A. Education	M.A. English, Hindi, Maths, History, Economics, Geography, Sanskrit, Political Science, Home Science, Public Administration, Sociology
ANM	GNM	PB.B.Sc. NURSING	M.A. English, Hindi, Maths, History, Economics, Geography, Sanskrit, Political Science, Home Science, Public Administration, Sociology
BA LLB (5 Years)	LLB (3 Years)	LLM (1 Years)	BNYS NATUROPATHY
M.Phil. Maths, Hindi, Sanskrit, English, History, Geography, Political Science, Sociology.			Ph.D.

- About 250 Acres lush green campus with modern infrastructure.
- Air-conditioned Auditorium of 1400 seats.
- Safe and secure environment.
- Highly qualified, experienced and dedicated staff.
- Student centric and job oriented education.
- Well equipped Laboratories.
- Well stocked Libraries.
- Excellent indoor and outdoor sports facilities.
- Industrial visits, seminars and workshops.
- NCC, NSS and Red Cross Units.
- Separate Hostel for Boys & Girls.
- Transport Facilities.
- Good Placement Record with various MNCs.

Helpline : 868388830/31/32 | E-mail: contact@bmu.ac.in
www.bmu.ac.in

REGISTRAR



**OPENING MINDS
OPENING AVENUES**



Shri Baba Mastnath

Affiliation Code : 530116

Sr. Sec. Resi. Public School (Affiliated with C.B.S.E. Delhi)

Asthal Bohar Branch

Admission & Registration Open

2020-2021

Nur. to 12th

Arts, Commerce, & Science

Admission Fee
Free for
All Classes



Salient Features

- Pollution Free Environment.
- Scholarship for Meritorious Students.
- Spacious and well ventilated classrooms.
- Frequent PTMs to discuss the progress of the child.
- Inculcation of values, morals and ethics in students through various activities.
- Exposure to competitions, cultural activities and sports.
- Qualified and dedicated staff with a vision and passion.
- No Transport Fee for Nursery/L.K.G./U.K.G. Students.
- If two brothers or sisters are studying in the school, younger one will be given half fee concession in tuition Fee.

Gate No. 6 Baba Mastnath University Campus

Asthal Bohar, Rohtak-124021

Phone : +91-9053066641, 9053066642

Follow us on : www.sbmssrps.com shribaba.residentialschool8@gmail.com